पाठ संख्या	शीर्षक	मॉड्यूल संख्या
7	घनवाद, अतियथार्थवाद तथा अमूर्तकला	2

संक्षिप्त भूमिका

- **20वीं शताब्दी** के प्रारंम्भ में बहुत-सी शैली एवं कला के सिद्धान्तों का प्रादुर्भाव हुआ। जैसे **घनवाद, अतियथार्थवाद** तथा **अमूर्तकला** आदि। **पिकासो** ने **घनवाद** का निर्माण किया व **सल्वाडॉर डाली** ने **अतियथार्थवाद** को आकार दिया। **काण्डैस्की** एवं **मॉन्ड्रियन** ने **अमूर्तकला** की शुरूआत की।

7.1

मैन विद वायलिन

विवरण

शीर्षक : मैन विद वायलिन
कलाकार : पब्लो पिकासो
माध्यम : कैनवास पर तैलीय रंग
काल : 1912
आकार : 100 × 73 से.मी.
संकलन : कला फिलाडैलफिया का संग्रहालय

चित्र की विशेषतायें

- यह चित्र घनवाद के विश्लेषणात्मक अध्ययन का अच्छा उदाहरण है।
- **मैन विद वायलिन** को विभिन्न हिस्सों में बाँट दिया गया एवं एक ही समय में चित्र में अन्य विचारों को भी दर्शाया गया है।
- मानवकृति जो हाथ में वायलिन पकड़े हुए है उसे विभिन्न ज्यामितीय आकारों में परिवर्तित कर दिया गया है और फिर टुकड़ों में इकट्ठा किया गया है।
- भूरे तथा हरे रंगों का मिश्रण एवं रंगत इस चित्र में देखते ही बनती है।
- यह घनवाद का द्वितीय चरण है।

कलाकार के विषय में अपनी समझ विकसित करें

- **पिकासो** विश्व के सर्वश्रेष्ठ आधुनिक चित्रकार थे।
- उनके उत्थान व विकास का चरण **नीले काल, गुलाबी काल** एवं **घनवाद** तक चला।
- **पिकासो** ने हर प्रकार की कला जैसे **मूर्तिकला, सिरामिक** डिजाइन की रचना की।

स्व-मूल्यांकन

7.1.1 **पिकासो** के किन्हीं दो महत्वपूर्ण **समय काल** के बारे में लिखें।

7.1.2 विश्लेषणात्मक घनवाद क्या है?

उत्तर

7.1.1 **नीला काल** और **गुलाबी काल**

7.1.2 वस्तुओं को विश्लेषणत्मक अध्ययन के बाद संयोजित करना।

7.2
परसिस्टैंस ऑफ मैमोरी

विवरण

शीर्षक : परसिस्टैंस ऑफ मैमोरी
कलाकार : सल्वाडौर डाली
माध्यम : कैनवास पर तैलीय रंग
काल : 1931
आकार : 9½ × 13 इंच
संकलन : म्युजियम ऑफ मॉडर्न आर्ट, न्यूयार्क

चित्र की विशेषतायें

- **सल्वाडौर डाली** के सबसे प्रसिद्ध अतियथार्थवादी चित्रों में से एक है।
- विभिन्न वस्तुओं को पथरीले समुद्र तट पर दर्शाया गया है।
- चित्र में वास्तविकता होते हुए भी वास्तविकता से परे सब दिखाई देता है।
- आकृतियाँ अशान्त तथा विक्षुब्ध मन को दर्शाती हैं।

कलाकार के विषय में अपनी समझ विकसित करें

- सुप्रसिद्ध अतियथार्थवादी चित्रकार।
- वे लेखक तथा फिल्मकार भी थे।
- वे शास्त्रीय शैली में कुशलता प्राप्त कर चुके थे।
- उनका थियेटर संबंधी सनकी व्यवहार भी उतना ही विशिष्ट है जितनी उनकी चित्रकला।

स्व-मूल्यांकन

7.2.1 दिये गए चित्र में कौन-से आकार दर्शाये गए हैं।

7.2.2 सल्वाडॉर डाली के बारे में क्या जानते हैं, लिखिए।

उत्तर

7.2.1 घड़ियां, पेड़, कीड़े मकौड़े।

7.2.2 वह एक यथार्थवादी चित्रकार, फिल्मनिर्माता और लेखक थे।

7.3
ब्लैक लाइन्स

विवरण

शीर्षक : ब्लैक लाइन्स
समय : दिसंबर 1913
कलाकार : वैसिली काडिंस्की
माध्यम : कैनवास पर तैलीय रंग
आकार : 4.3 × 3¼ ईंच
संकलन : सोलोमन आर गुगिन्हम म्युजियम, न्यूयार्क

चित्र की विशेषतायें

- **कान्डिस्की** अपने समय के प्रसिद्ध अर्मूत चित्रकार थे।
- दिये गए चित्र में उन्होंने काली रेखाओं एवं रगों के धब्बों के द्वारा चित्र को संयोजित किया।
- आकृतियाँ किसी भी वास्तविकता को नहीं दर्शाती।
- यह चित्र केवल अमूर्तकला एवं ज्यामितीय आकार का समिश्रण है, इसीलिए यह एक अमूर्त चित्र है।

चित्रकार के विषय में अपनी समझ विकसित करें

- **काण्डिस्की** का जन्म रूस में हुआ था और उन्होंने अपनी कला का अभ्यास जर्मनी एवं पेरिस में किया।
- **काण्डिस्की** अमूर्तकला के जन्मदाता माने जाते हैं।
- वे संगीत की तरह चित्र को अर्मूत चाहते थे। वह एक प्रसिद्ध कला सिद्धान्तवादी थे।

स्व-मूल्यांकन

7.3.1 **काण्डिस्की** का आधुनिक चित्रकला में क्या मुख्य योगदान रहा, बताइये।

7.3.2 दिये गए चित्र का माध्यम एवं समय काल बताइये।

उत्तर

7.3.1 काण्डिस्की अर्मूत कला के जन्मदाता माने जाते हैं। वो अपने कार्य के द्वारा अपनी आने वाली पीढ़ी के कलाकारों के लिए प्रेरणास्त्रोत बने।

7.3.2 **ब्लैक लाइन्स चित्र काण्डस्की** द्वारा कैनवास पर तैलीय रंग से 1913 में बनाई गई थी।

क्या आप जानते हैं?

- **सेजां** को **घनवाद** का पुरोगामी माना जाता है।
- **दादवादी** (Dadaist) विद्रोह के फलस्वरूप अतियथार्थवाद का जन्म हुआ।
- **पिकासो** की उत्तम कृति गुयेर्निका में स्पेन के गृह-युद्ध को दर्शाया गया है।